आज की अव्यक्त मुरली का सार ---------- Date: 29-06-2014

आज बापदादा हरेक की प्राप्ति की लकीर मस्तक और नयनों द्वारा देख रहे हैं. एवर हेल्दी, वेल्दी और हैप्पी यह तीनों ही प्राप्ति वर्तमान समय की प्राप्ति के हिसाब से 21 जन्म करते हो. पहले वर्तमान और वर्तमान के आधार पर भविष्य हैं.

बाबा देख रहे हैं - अब तक चैलेन्ज प्रमाण "सदा" शब्द प्रैक्टिकल में कहा तक हैं? चैलेन्ज में सिर्फ हेल्दी, वेल्दी नहीं कहते हो, लेकिन एवर (सदा) हेल्दी, वेल्दी कहते हो. तो "सदा" शब्द पर अन्डरलाईन कर रिज़ल्ट देख रहे थे.

सेवा में सफलता के लिए ऐसी एवर हेल्दी, वेल्दी और हैप्पी कि स्टेज की अभी आवश्यकता हैं. ऐसी स्टेज वाली आत्मा एक ही समय पर तन, मन और धन, मन-वाणी-कर्म सर्व प्रकार की सेवा साथ-साथ करने से सफलता सहज प्राप्त करती हैं.

एवर हेल्दी कि स्टेज वाली आत्मा सब बातों में नॉलेजफुल होने के कारण शारीरिक व्याधि, मौसम के प्रभाव, वायुमण्डल के प्रभाव में, या खान-पान के प्रभाव में, या बीमारी के प्रभाव में नहीं आते हैं.

एवर वेल्दी कि स्टेज वाली आत्मा सदा सर्व शक्तियों के खजानों से, सर्व गुणों के खजानों से और ज्ञान के खजानों से सम्पन्न होंगे. स्वयं को भी सदा सम्पन्न मूर्त अनुभव करेंगे और अन्य निर्धन आत्माएं भी सम्पन्न मूर्त को देख उनकी भरपूरता की छत्रछाया में स्वयं भी उमंग, उत्साहवान अनुभव करेंगे.

एवर हैप्पी अर्थात सदा खुश. कैसा भी दुख भरा वायुमण्डल हो, लेकिन एवर हैप्पी की स्टेज वाली आत्मा सदा खुश रहेंगी और अपनी खुशी की झलक से दुख और उदासी के वातावरण को ऐसे परिवर्तन करेंगी जैसे सूर्य अन्धकार को परिवर्तन कर देता हैं. अन्धकार के बीच रोशनी करना, अशान्ति के अन्दर शान्ति लाना, निरस वातावरण में खुशी की झलक लाना, इसको कहा जाता हैं एवर हैप्पी आत्मा.

वर्तमान समय में जबकि विश्व सेवा की स्टेज पर हीरो और हीरोइन पार्ट बजा रहे हो, तो उसी प्रमाण यह तीनों प्राप्तियों मस्तक और नयनों द्वारा सदाकाल और स्पष्ट दिखाई देनी चाहिए. इन तीनों प्राप्तिओं के आधार पर ही विश्व कल्याणकारी का स्टेज बना सकते हो.

आपका खुशनसीब सदा खुश और हर्षित मुख चेहरा, दुखी अशान्त आत्माओं में, रोगी आत्माओं में, शक्तिहीन आत्माओं में मानव जीवन का जीना क्या होता हैं, उसकी हिम्मत और उमंग आयेगा.

तीनों ही प्रैक्टिकल धारणाओं के लिए डबल अंडरलाइन लगाओ. प्रभाव में आने वाले नहीं, प्रभाव में डालने वाले बनो.

बाप को फोलो कर नम्बरवन एकजाम्पल बनकर दिखाऊंगा, ऐसा लक्ष्य रखो और लक्ष्य के साथ लक्षण धारण करते चलो.

इसमें दूसरे को नहीं देखो, स्वयं को देखो और बाप को देखो, तब कहेंगे चैलेन्ज और प्रैक्टिकल समान हैं.

बापदादा आजकल की अव्यक्त मुरलीओं में ये क़्वेश्चन हम सब को पूछते हैं - बच्चे सदा खुश हैं, सदा खुश, सदा खुश?. आज की अव्यक्त मुरली में बाबा ने उसका राज समझाया हैं की एवर (सदा) हेल्दी और एवर वेल्दी की स्टेज वाली आत्मा ही एवर हैप्पी (सदा खुश) रह सकती हैं. तो हमें स्वयं में चेक करना हैं - हम ऐसे एवर हैल्दी, वेल्दी और हैप्पी है और जो भी कमी-कमजोरी हैं उसे मिटाते आगे बढना ही हैं.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email - a.brahmin.soul@gmail.com